



कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

सानी दुगचिती टाईगर इंडर्स



Current
AFFAIRS

हाल ही में सागर जिले के नौशादोही
 स्थित रानी दुर्गावती टाइगर इंजर्व
 को मध्य प्रदेश का सातवां टाइगर
 इंजर्व घोषित कर दिया गया है।

अब मध्य प्रदेश को सातवां टाइगर
 इंजर्व मिल गया है।
 इसका नाम वीरांगना दुर्गावती
 टाइगर इंजर्व होगा

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक वृहद कोट क्षेत्र
 वाला टाइगर इंजर्व केंद्र सरकार की
 सहमति के बाद राज्य सरकार ने जारी
 किया नोटिफिकेशन।

नौशादेही और रानी दुर्गावती अभ्यारण्य को
 मिलाकर बना टाइगर इंजर्व।

नौशादेही और रानी दुर्गावती अभ्यारण्य को
 मिलाकर बना टाइगर इंजर्व।

सागर, दमोह और नरसिंहपुर तक
 फैला रहेगा टाइगर इंजर्व,
 1 लाख 40 हजार से अधिक
 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला।

एशिया प्रवान्त फोरम (APF)



हाल ही में भारत की साष्ट्रपति ने नई दिल्ली में मानवाधिकार पर APF की वार्षिक आम बैठक और द्विवार्षिक (दो वर्षों पर) सम्मेलन का उद्घाटन किया।

APF :- इसे 1996 में स्थापित किया गया था यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सभी भागों के 26 साष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों (NHRI) (वर्तमान में अफगानिस्तान निलंबित है) का गठबंधन है।

सदस्य: इसमें 17 पूर्ण सदस्य और 8 एसोसिएट मेंबर्स शामिल हैं। भारत 1996 से इसका पूर्ण सदस्य है।

पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए NHRI को पेटिस सिद्धांतों में निर्धारित न्यूनतम अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पूरी तरह से पालन करना होता है।



ਦੱਤਾਧਿਨ ਪ੍ਰੀਮਿਯਮ

ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨੇ ਭਾਰਤ ਕੋ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕਿਏ ਜਾਨੇ
ਵਾਲੇ ਤੇਲ ਪਾਂਡ ਵਾਲੇ ਜਾਨੇ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰੀਮਿਯਮ ਮੰਨੇ ਕਟੌਤੀ ਕਦ ਦੀ ਹੈ।
ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਧਿਕਾਰੀ, ਵਿਖੇ ਕਾ ਦੂਜਾਂ ਸਥਾਨਾਂ ਬਣਾ ਤੇਲ ਉਤਪਾਦਕ ਦੇਣਾ ਹੈ।



एशियन प्रीमियम कप्पे तेल के वास्तविक विक्रय
मूल्य पर अतिरिक्त शुल्क होता है।

इसे पेट्रोलियम नियंत्रित देशों के संगठन (OPEC)
द्वारा आयोजित किया जाता है। यह शुल्क
आयातक एशियाई देशों से वसूल किया जाता है।

यह भेदभावपूर्ण मूल्य नियंत्रण प्रणाली है। ऐसा इसलिए,
क्योंकि जब एशियाई देश मध्य पूर्व के देशों से कप्पा तेल
आयात करते हैं, तो उन्हें अपने यूरोपीय व अमेरिकी समरकों
की तुलना में अधिक मूल्य (एशियन प्रीमियम के कारण)
चुकाना पड़ता है।

इसके अलावा, एशियाई देश तेल आयात पर बहुत
अधिक निर्भर है। वे केवल प्राइस टेक्स छोकर रह
गए हैं, क्योंकि तेल की कीमतों पर उनका कोई
नियंत्रण नहीं होता है।

SDG शिखण्ड सम्मेलन

हाल ही में, SDG शिखण्ड सम्मेलन का समापन हुआ।
इस सम्मेलन में एक दाजनीतिक घोषणा प्रति जारी किया गया।

इस घोषणा प्रति में 2030 तक एक सतत और समावेशी
विश्व बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।





इस सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने
एक उच्च-स्तरीय राजनीतिक मंच के रूप में आयोजित किया था।

इसमें सतत विकास के लिए वित्तीय प्रवाह के कुशल
उपयोग पर अदीस अबाबा एक्शन एनेंडा को दोहसाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में व्यापक बदलाव हेतु सभी
देशों के समर्थन की मांग की गई है।

इसका उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था की वर्तमान
स्थिति को प्रकट करना है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेंडाई फ्रेमवर्क के पूर्ण
कार्यान्वयन के लिए फिर से प्रतिबद्धता घोषित की गई।